मेरे अनुभव

लोगों का कहना है कि 'विश्व तंत्र–ज्योतिष' पत्रिका अपने आप में महत्वपूर्ण है, इस पत्रिका का कोई जवाब नहीं। ज्योतिष क्षेत्र में ऐसी अन्य कोई पत्रिका नहीं जो इस पत्रिका का मुकाबला कर सके। यह पत्रिका अपने आप में सर्वस्व समेटे हुए है, जैसे कि गागर में सागर। यह हम नहीं कह रहे हैं यह कहना है उन लोगों का जो इस पत्रिका को बड़े चाव से पढ़ते हैं, यह कहना है उन लोगों का जिन्होंने इस पत्रिका को पढ़कर अपने जीवन की दिशा ही बदल ली है, जिनको इस पत्रिका के माध्यम से रोशनी की नयी किरण नजर आयी है। ऐसे ही कुछ पाठकों के अनुभव यहाँ प्रकाशित किये जा रहे हैं। आप भी इन्हें पढ़िये और यदि आपके पास भी ऐसे ही कुछ अनुभव हों तो हमे 'विश्व तंत्र–ज्योतिष, जोधपुर मुख्यालय' के पते पर लिख भेजिये।

भाग्यवृद्धि लॉकेट ने किया जीवन का उद्धार

गुरुजी, मैं आपकी पत्रिका को मार्केट से खरीद कर पढ़ता हूँ। हर महीने मुझे यहाँ से काफी दूर जाना पड़ता है लेकिन मैं इसे किसी भी कीमत पर लेकर जरुर आता हूँ। गुरुजी, जब से मैंने भाग्यवृद्धि लॉकेट को अपने गले में धारण किया है। लगता है मेरे दुःखी जीवन का उद्धार हो गया। गुरुजी, मैं एक हारा हुआ तथा निराशामय जीवन जी रहा था। कोई भी काम मुझसे ठीक से करते नहीं बनता था। मैं जो भी करने की सोचता बस सोचता ही रह जाता उसको क्रियान्वयन नहीं कर पाता। इस उधेड़बुन में समय बीत जाता और वो काम दूसरा ही ले जाता। मैं वैसे का वैसे ही बैठा रह जाता। जब कि मैंने एम.बी.ए का कोर्स कर रखा है। लेकिन व्यर्थ कई लोगों से सलाह ली लेकिन सभी ने यह करो, वो करो कहा। लेकिन मेरा कुछ भला नहीं हुआ। एक दिन मैंने बैठे-बैठे सोचा सबकी बातें मैंने सुनी है। एक दिन टी.वी पर स्वयं श्रीमालीजी भाग्यवृद्धि लॉकेट के बारे में जानकारी दे रहे थे। शायद इसमें कोई शक्ति हो। यह सोचकर मैंने वह लॉकेट शीघ्रातिशीघ्र मंगवाकर धारण किया। उस लॉकेट को धारण करने के बाद से ही मुझे मनचाहे ऑफर मिलने शुरू हो गये। पता नहीं चल रहा था किसे मैं ज्वाइन करूं, आखिर मैंने एयरटेल की कंपनी को ज्वाइन किया। अच्छी सैलेरी के तहत मुझे नियुक्ति दी गई। अपनी इस खुशी को मैं सैलिब्रेट नहीं कर पा रहा था। वाकई इस भाग्यवृद्धि लॉकेट ने तो मेरा भाग्य ही बना दिया। मेरे जीवन का उद्धार कर दिया। पं. कमल श्रीमालीजी इतनी फायदेमंद जानकारी के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मनीष आहुजा, मुम्बई

कामनापूर्ति लघु पिरामिड ने मनोकामनाओं को साकार किया

गुरुजी, मेरी सबसे बड़ी समस्या मेरे मकान के निर्माण के संबंध में है। रूपये-पैसे की कमी बिल्कुल नहीं थी लेकिन कहते हैं ना कि जब समय अच्छा न हो तो साया भी साथ छोड़ देता है। ठीक वैसा ही हमारे साथ हो रहा है। मेरी वर्षो से यह तमन्ना रही है कि मेरा भी एक सुंदर मकान हो। लेकिन हर समय कोई न कोई मुसीबत आ जाती है। जैसे ही निर्माण कार्य शुरू करने लायक बजट बनता है कोई ऐसी हानि या दुर्घटना होती है कि आधे से ज्यादा पैसा उसी में लग जाता है। एक दिन की बात है मैं छुट्टी के दिन बैठा-बैठा सोच रहा था। तभी मेरी पत्नी ने एक पुस्तक मुझे दिखाई और कहा कि हम इस मनोकामनापूर्ति पिरामिड को अपने घर में स्थापित करेंगे। शायद हमारी मनोकामना भी पूर्ण हो। यही सोचकर हमने यह लघु कामनापूर्ति पिरामिड मंगवाया। 2 महीने बाद मैंने वापस जोधपुर श्रीमाली जी के कार्यालय में फोन किया और कहा कि आपके पिरामिड से कोई लाभ नहीं मिला कोई और उपाय हो सके तो हमें बताइये। तब उन्होंने कहा आप मन में श्रद्धा भाव रखें आपकी मनोकामना जरूर पूरी होगी आप और किसी सामग्री की आशा में अपनी श्रद्धा कम न करें। आपका कार्य जरूर सफल होगा। कुछ समय गुजरा परिवार में काफी समय में कोई होनी-अनहोनी नहीं घटी। और 6 माह बाद ही पुनः मकान शुरू करने के लिए हमने बहुत से पैसे जमा कर लिये और शुभ मुहूर्त में मकान का निर्माण भी प्रारंभ करवा दिया। 6 महीने के लंबे इंतजार के बाद हमें हमारे सपनों के घर के दर्शन हुए। इतने सालों में जो मेरी कामना कभी पूरी नहीं हुई। वह इस प्राण प्रतिष्ठित कामनापूर्ति लघु पिरामिड को स्थापित करने से सिफ एक साल में ही हो गई। हम सभी सदस्यों का इस पिरामिड पर बहुत श्रद्धा है घर का कोई भी व्यक्ति किसी शुभ कार्य के लिए जाता है तो भगवान के आशीर्वाद के साथ ही इस कामनापूर्ति पिरामिड के आगे खड़ा होकर अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए प्रार्थना करता है। गुरुजी आपको बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं अपनी कामनापूर्ति का सारा श्रेय आपको देता हूँ।

जितेन्द्र सक्सेना, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

अक्षय लक्ष्मी साधना से जीवन खुशहाल हुआ

गुरुजी, सादर प्रणाम! मैंने आपकी पत्रिका मार्च 2017 में पहली बार देखी थी। जिस समय इसे देखा बस उसी महीने से मैं निरन्तर इसे खरीद कर अपनी जिज्ञासा शांत करता हूं। इसमें पठनीय सामग्री जिस तरह से कूट-कूट कर भरी हुई है वह एक सोचनीय विषय है। मुझे इस पत्रिका ने तो अपना दीवाना ही बना लिया था। मैं मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता हूँ। अपने घर में मैं एक ही कमाने वाला सदस्य हूं। मेरी नौकरी भी अच्छी है लेकिन मेरा प्रमोशन किन्हीं कारणों की वजह से रूका हुआ है। मैंने बड़ी

कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक दिन मैंने पत्रिका में अक्षय लक्ष्मी कलश के बारे में पढ़ा मुझे अक्षय लक्ष्मी साधना करने की इच्छा जाग्रत हुई। मैंने तुरंत अक्षय लक्ष्मी साधना की सामग्री मंगवाई। कुछ दिनों बाद मुझे सामग्री प्राप्त हुई तथा साथ में उसकी विधि भी। ठीक अक्षय तृतीया के दिन मैंने वह साधना संपन्न की। मुझे साधना करने का परिणाम इतनी जल्दी मिल जायेगा इसका यकीन मुझे नहीं था। साधना करने के 40 दिन बाद ही मेरा प्रमोशन हो गया। घर के सभी लोगों को सच्ची खुशी मिली। क्योंकि मेरे साथ ही सबकी आशाएं बंधी थी। मैंने उस दिन घर के सभी सदस्यों को बाहर होटल में खाना खिलाया। मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। मैं अपने आपको बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा था। मेरा मानना है कि इन सबके पीछे गुरूदेव कमल श्रीमाली का ही आशीर्वाद है। जिनके माध्यम से मेरा यह कार्य सफल हुआ।

सुदीप सिंह, बरनाला, पंजाब

वास्तु पिरामिड ने घर का सुख लौटाया

गुरुजी, मैं आपकी पत्रिका का पिछले दो वर्षों से सदस्य हूं। मैं नियमित रूप से आपकी पत्रिका पढ़ता हूं, वास्तव में देखा जाये तो आज बाजार में इसके मुकाबले कोई भी ज्योतिष की पत्रिका नहीं है। मैं बहुत ही धार्मिक व्यक्ति हूँ और नियमित रूप से पूजा-पाठ भी करता हूँ। परन्तु इतना सबकुछ करने पश्चात् भी मेरे घर में पता नहीं क्यों, शान्ति नहीं थी। घर का माहौल प्रायः अशान्त ही रहता था। और तो और घर में निरन्तर कोई ना कोई बीमारी से ग्रस्त रहता था। कभी मेरी पत्नी तो कभी मेरे बच्चे, कभी मेरी माता तो कभी मेरे पिता, मेरा भी स्वास्थ्य गिरता जा रहा था। आपकी पत्रिका में वास्तुदोष से संबंधित बहुत से लेख पढ़े थे, सो मन में आया कि कहीं मेरा घर वास्तुदोष का शिकार तो नहीं है। यही सोचकर मैंने आपसे परामर्श किया और आपके द्वारा बताये गये उपायों को अपनाया। मैंने आपके कहने पर घर में वास्तुदोष पिरामिड स्थापित किया और देखते ही देखते मेरा घर मानो खुशियों से भर गया। आज इतना समय हो गया है ईश्वर की कृपा है हमारे घर में सभी लोग स्वस्थ एवं सुखी हैं। साथ ही आपसी स्नेह से और प्रेमपूर्वक रहते हैं। वास्तु पिरामिड स्थापित करने के बाद धीरे-धीरे स्थितियाँ ठीक होने लगी। घर में बीमारी कम होने लगी। घर का क्लेश दूर होने लगा। घर में शांति रहने लगी। कामकाज में मन लगने लगा। मुझे यह कहते हुए किसी प्रकार का शक नहीं है कि वास्तु पिरामिड स्थापित करने से मेरे घर के क्लेश पर अंकुश ही नहीं लगे साथ-साथ घर के सदस्यों को आये दिन होने वाली बीमारियों से भी मुक्ति मिली। वास्तु पिरामिड स्थापित करने से मैं और मेरे परिवार वाले सुखी और निरोगी जीवन जी रहे हैं। सब आपकी कृपा है।

इशांत कुमार, कोपल, कर्नाटक

संतान गोपाल यंत्र की पूजा से संतान सुख मिला

श्रद्धेय गुरूजी, चरण वंदन! मैंने आपके कार्यालय विश्व तंत्र ज्योतिष में अपनी समस्या लिखकर एक पत्र भेजा था। समस्या संतान सुख कब नसीब होगा के बारे में जानना चाहते थे। जो जो उपाय आपने पत्र में लिखे थे। वह हमने सारे ही किये और संतान गोपाल यंत्र की पूजा नियमित पति-पत्नी दोनों ही मिलकर करने लगे। मन में पूरी श्रद्धा थी कि हमारे साथ भी भगवान अच्छा करेंगे। चार माह पश्चात् भगवान ने मेरी प्रार्थना सुन ली। यह मुझे तब पता चला जब मैं घर में झाड़ू निकालते-निकालते चक्कर आया और गिर पड़ी। मुझे मालूम चल चुका था लेकिन पति के जिद करने पर मैं लेडी डॉक्टर के पास चैकअप कराने के लिए गई। डॉक्टर ने भी वहीं कहा जो मैंने कहा था। मेरे पति बड़े खुश हुए। 2 फरवरी 2016 को मुझे एक लड़का पैदा हुआ। भगवान की कृपा से जिस सुख की हम वर्षों से तलाश कर रहे थे वह हमें मिला। पंडित जी आपने बिल्कुल सही मर्ज पहचान कर हमारा उपचार किया और अपनी उचित राय से हमें अवगत करवाया इसके लिए हम दोनों तथा सारे ही परिवार जन आपके बहुत-बहुत आभारी हैं। पत्र लिखने में मुझसे जो देरी हुई उसके लिए मैं आपसे क्षमाप्रार्थी हूं।

अपूर्वा शर्मा, महीसागर, गुजरात

गोमती चक्र मुद्रिका धारण करने से मेरे व्यापार में वृद्धि हुई

गुरुजी, मै हैण्डीक्राफ्ट आईटमस् का व्यापार करता हूँ और जब से मैंने गोमती चक्र की मुद्रिका धारण की है मेरा व्यापार पहले जैसा चलने लग गया है। बात एक साल पहले की है। मेरा व्यापार बहुत ही ज्यादा कम हो गया था। पहले तो सोचा अभी नोटबंदी के कारण हो रहा है पर कुछ समय बीतने के बाद भी काम में मंदी ही चल रही थी। मेरी आर्थिक स्थिति ही बिगड़ गई थी। मेरे स्टाफ को सैलेरी भी कैसे दूं यह भी बड़ी समस्या बन गई थी। इससे मुझे काफी चिंता रहती थी। जिससे मुझे सर दर्द की समस्या हो गई थी। मेरे बच्चों की पढ़ाई का खर्चा भी ज्यादा लग रहा था। उस समय मेरी पत्नी ने मुझे संभाला। मेरी पत्नी घुमने के बहाने से मुझे अपने घर ले गयी। वहाँ हम कुछ दिन रहे। एक दिन वहाँ मेरे बड़े ससुरजी (ससुर के बड़े भाई) आये हुए थे तो बातों ही बातों में मैंने अपने व्यापार के बारे में बताया। उन्होंने मुझे पं. कमल श्रीमालीजी से मिलने के लिये बोला और उन्होंने मुझे प्राणप्रतिष्ठित गोमती चक्र मुद्रिका पहनने को बोला। उस दिन उन्होंने मेरे लिये गोमती चक्र मुद्रिका मेरे लिये ऑर्डर कर दिया। हम पुनः अपने घर आ गये। मुझे गोमती चक्र मुद्रिका अपने घर पर ही प्राप्त हुई। मैंने उसमें दी हुई विधि अनुसार पहन लिया। मुझे उसी दिन शरीर में एक शक्ति सी महसूस हो रही थी। उस दिन मेरा दिन आसानी से कट गया। मेरा स्वास्थ्य सही रहने लग गया। मैं अपना पूरा ध्यान अपने व्यापार पर देने लग गया। व्यापार के लिये मार्केटिंग को बढ़ाया जिससे मेरा व्यापार पहले की तरह लेवल पर आ गया। और यह सब गोमती चक्र मुद्रिका का ही कमाल है। गुरुजी मैंने आपकी विश्व तंत्र ज्योतिष की पत्रिका की मैम्बरशिप अपने बड़े ससुरजी के कहने पर ले रखी है। यह पत्रिका मुझे बहुत अच्छी लगी। गुरुजी मेरी समस्या के समाधान के लिये आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उत्तम कुमार, कोलकाता

कालसर्प मुद्रिका धारण करने से मेरे डरावने सपनों का हुआ खात्मा

गुरुजी नमस्कार! गुरुजी आपकी बनाई हुई यह मुद्रिका जब से धारण की है मुझे सांपों के डरावने सपने नहीं आते है। पहले मुझे सांपों के सपने ज्यादा आते थे। सपने नहीं आये इसके लिये मैंने टोने-टोटके भी करवाये पर कुछ फायदा नहीं हुआ। एक बार टी.वी. में मैंने श्रीमाली को देखा जो समस्याओं का समाधान बता रहे थे। मैंने उनके कार्यालय में फोन किया तो उन्होंने निःशुल्क समाधान के लिये पत्र लिखने को बोला। तब मैंने अपनी समस्या के साथ जन्म कुण्डली भी भेज दी। वापसी पत्र में मुझे पता चला कि